6. नई कविता के विकास में नरेश मेहता का योगदान रेखांकित कीजिए।

7. फैन्टेसी से क्या तात्पर्य है ? मुक्तिबोध की फैन्टेसी शिल्प की विशेषताएँ बताइए।

8. धर्मवीर भारती की काव्य की विशेषताएँ बताइए।

9. बालस्वरूप राही के गीतों में संवेदनागत विविध पक्षों पर प्रकाश डालिए।

**खण्ड—स** **2×16=32**

**(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)**

**निर्देश :-** किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

10. भवानी प्रसाद मिश्र के काव्य की विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

11. 'कनुप्रिया' का प्रतिपाद्य बताते हुए शिल्पगत विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।

12. नन्दकिशोर आचार्य के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए काव्यगत सौन्दर्य का विवेचन कीजिए।

13. किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ कीजिए :

(अ) रमानाथ अवस्थी के गीत

(ब) समकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ

(स) अशोक बाजपेयी का कृतित्व

(द) नई कविता की विशेषताएँ



# MAHD–08

## June – Examination 2024

## M.A. (Final) Examination

## HINDI

## (आधुनिक हिन्दी कविता और गीत परम्परा)

## Paper : MAHD-08

*Time : **3** Hours ]* *[ Maximum Marks : **80***

**निर्देश :-** यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

**खण्ड—अ** **8×2=16**

**(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)**

**निर्देश :-** सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) 'दूसरा सप्तक' के कवियों के नाम एवं प्रकाश वर्ष बताइए।

(ii) समकालीन कविता की कोई **दो** प्रवृत्तियाँ लिखिए।

(iii) 'भूरि-भूरि खाक धूल' में किस कवि की रचनाएँ संकलित हैं ?

(iv) 'महाप्रस्थान' खण्ड काव्य के लेखक कौन हैं ?

(v) 'कनुप्रिया' के रचनाकार कौन हैं तथा इसकी पौराणिक कथा क्या है ?

(vi) सोहन लाल द्विवेदी के गीतों का मूल भाव क्या है ?

(vii) गोपालदास नीरज के गीतों की लोकप्रियता के क्या कारण हैं ?

(viii) गिरिजाकुमार माथुर की किन्हीं **दो** काव्य-कृतियों का नामोल्लेख कीजिए।

**खण्ड—ब** **4×8=32**

**(लघु उत्तरीय प्रश्न)**

**निर्देश :-** किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2. "मैं तो वह हूँ जिसे दिग्वधू कहते हैं, काल
वधू,
समय और दिशाओं की सीमाहीन पगडंडियों पर
अनन्त काल से
अनन्त दिशाओं में
तुम्हारे साथ-साथ चलती आ रही हूँ,
चलती चली जाऊँगी।
इस यात्रा का आदि न तो तुम्हें स्मरण है, न
मुझे और अन्त तो इस यात्रा का है ही
नहीं" मेरे सहयात्री।"



3. निम्नलिखित पद्यांश की व्याख्या कीजिए :
इस नदी का
इस शहर से कोई संबंध नहीं है।
फिर भी नदी शहर की है
इसको कोई पियरी नहीं चढ़ाता
न आदमी रामनामी डाले
सुबह तड़के भागते दिखाई देते हैं।
न अधेर औरतें ठाकुर जी का
सिंहासन लिए बतियाती जाती हैं।

4. निम्नलिखित पद्यांश की व्याख्या कीजिए :
भूल-गलती
आज बैठी है, जिरहबख्तर पहनकर
तख्त पर दिल के
चमकते हैं खड़े हथियार उसके दूर तक,
आँखें चिल्ती हैं, नुकीले तेज पत्थर-सी,
खड़ी हैं सिर झुकाये
सब कतारें। बेजुबाँ बेबस सलाम में
अनगिनत खम्भों व मेहराबों-थमें
दरबारे आम में।

5. 'टूटी हुई बिखरी हुई' कविता के माध्यम से शमशेर की काव्य-भाषा पर प्रकाश डालिए।